SAMARPIT

Centre for Poverty Alleviation and Social Research

ANNUAL REPORT

FY : 2024 - 2025

Registered Address -

SAMARPIT,

37,GEETANJALI ENCLAVE,

RING ROAD NO. - 2,

BILASPUR (C.G.) 495 001

Tele.: (07752) 402731 , Mobile No. : 098934 28881

SAMARPIT VISION

OUR ALL AIMS AND OBJECTIVES, OUR ALL EFFORTS ARE DEDICATED TO MAKE THIS WORLD A BETTER PLACE TO LIVE IN.

ANNUAL REPORT 2024-2025

समर्पित – गरीबी उन्मूलन एवं सामाजिक अनुसंधान केन्द्र द्वारा वर्ष 2024 – 2025 में अनेक गतिविधियों, परियोजनाओं व कार्यक्रमों का संचालन व क्रियान्वयन सफलतापूर्वक किया गया। समर्पित संस्था की वर्ष 2024–25 में प्रमुख उपलब्धियों में **The Kailash Satyarthi Children's Foundation, US** द्वारा समर्पित संस्था का चयन **Access to Justice for Children Project** के जशपुर जिले में क्रियान्वयन करनें एवं **GIRL RISING, US** द्वारा समर्पित संस्था का चयन **Strengthening Adolescents' Socio-Emotional Learning Skills, Inculcating Gender-Equitable Attitudes, and Building 21st Century Skills** प्रोजेक्ट के बिलासपुर जिले में क्रियान्वयन के लिये करना रहा। साथ ही समर्पित संस्था की वर्ष 2024–25 में प्रमुख उपलब्धियों में भारतीय रिजर्व बैंक, रीजनल ऑफिस भोपाल, मध्यप्रदेश द्वारा समर्पित संस्था को **वित्तीय साक्षरता केन्द्र परियोजना** के मध्यप्रदेश राज्य में क्रियान्वयन के लिये 28 वित्तीय साक्षरता केन्द्र प्रारंभ करनें का कार्यादेश प्रदान करना रहा। वर्ष 2024–25 समर्पित के कार्यकर्ताओं नें बच्चों व महिलाओं के बीच में जाकर उनके समग्र विकास की दिशा में लगातार प्रयास किया व इसमें सफलता भी प्राप्त की।

समर्पित द्वारा वर्ष 2024–25 में संचालित किये गये कार्यक्रम, गतिविधियों व परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है :–

1.वित्तीय साक्षरता केन्द्र (Centre for Financial Literacy) :- Scaling-up (Phase I & II) छत्तीसगढ व मध्यप्रदेश

समर्पित द्वारा वित्तीय वर्ष 2024–25 में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रायोजित **Scaling up of Centre For Financial Literacy Project – Phase I & Phase II** के अंतर्गत समर्पित संस्था द्वारा छत्तीसगढ राज्य के 28 जिलों में 42 वित्तीय साक्षरता केन्द्रों व मध्यप्रदेश राज्य के 28 वित्तीय साक्षरता केन्द्र में वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम चलाया गया। वित्तीय वर्ष 2024–25 में संस्था द्वारा समूह बैठकों, शिविरों, वन–टू–वन, कार्यशाला आदि माध्यमों से छत्तीसगढ राज्य में कुल 1062120 हितग्राहियों व मध्यप्रदेश में 112005 हितग्राहियों को वित्तीय साक्षर बनानें में सफलता अर्जित की ।

वित्तीय वर्ष 2024–25 में संस्था द्वारा वित्तीय जागरुकता के साथ साथ 7200 हितग्राहियों के बैंक खाता खुलवानें व 29806 हितग्राहियों को बीमा व पेंशन योजना से जोडनें में सफलता अर्जित की। साथ ही 3326 हितग्राहियों को अवैधानिक ऋण देनें वाले साहूकारों के चंगुल से मुक्त कराया गया। इसके अतिरिक्त हितग्राहियों के कई असक्रिय बैंक खातों को परामर्श व प्रेरित करके पुनः सक्रिय कराया गया।

इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य आम लोगों को बैंक से जोडना, उन्हें बचत व ऋण की जानकारी देना, वित्तीय योजना व प्रबंधन में दक्ष करना, डिजीटल लेन देन की जानकारी, बैंक उपभोक्ताओं के संरक्षण हेतु कार्य करना, बैंक उपभोक्ताओं को आवश्यकतानुसार सहयोग करना, साथ ही अन्य शासकीय वित्तीय योजनाओं, बीमा, बैंक की योजनाओं आदि की जानकारी देना है।

परियोजना का क्रियान्वयन National Institute for Financial Education (NSFE) के 5 Cs – Content, Capacity, Communication, Collaboration and Community को शामिल करके किया जा रहा है। वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत इस वर्ष विभिन्न ग्राम पंचायतों व विकासखण्ड मुख्यालयों में स्थानीय भाषा में नुक्कड नाटकों, गीतों व नृत्यों के माध्यमों से लोगों को वित्तीय साक्षरता के प्रति जागरुक करनें का प्रयास किया गया। संस्था के इस अभियान की सभी लोगों नें सराहना की।

2. आउटरीच एण्ड ड्राप–इन–सेंटर (Outreach and Drop in Centre)

समर्पित संस्था द्वारा वर्ष 2024–25 में भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा **National Action Plan for Drug Demand Reduction (NAPDDR)** के अंतर्गत **OUTREACH AND DROP IN CENTRE (ODIC)** परियोजना का बिलासपुर जिले में क्रियान्वयन सफलता पूर्वक किया गया। संस्था द्वारा बेसलाईन सर्वे / डिमांड सर्वे के माध्यम बिलासपुर में नशा की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में प्रमुख स्टेक होल्डर्स जैसे पुलिस, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, आंगनबाडी कार्यकर्ता, मितानीन, जन प्रतिनिधियों, समाज सेवक, एन.जी.ओ. आदि से मिलकर नशीली दवाओं एवं मादक पदार्थो के उपयोगकर्ताओं के स्थल विश्लेषण कर संख्या की जानकारी ली गयी जिस आधार पर प्रोजेक्ट के हॉट स्पॉट का चयन किया जाकर परियोजना चलायी जा रही है।

इस परियोजना में वर्ष 2024– 25 में स्थानीय भाषा में नुक्कड नाटकों के माध्यम से लोगों को नशा के दुष्प्रभावों के बारे में जागरुक किया गया व नशा मुक्त जीवन अपनानें के लिये प्रेरित किया गया।

परियोजना टीम द्वारा सोशल मेपिंग, एडवोकेशी, नेटवर्किंग आदि माध्यमों से परियोजना की कार्ययोजना बनाकर कार्य प्रारम्भ किया गया। साथ ही संस्था द्वारा नशीली दवाओं की मांग में कमी लानें हेतु राष्ट्रीय कार्ययोजना संकेद्रित हस्तक्षेप कार्यक्रम के लिये परियोजना गाइडलाइंस के अनुसार सूचना, शिक्षा व संचार सामग्रियों के रुप में पोस्टर व पाम्पलेट का प्रकाशन करवाया ताकि इसके माध्यम से परियोजना के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके ।

परियोजना टीम द्वारा बिलासपुर शहर के मादक द्रव्यों की मांग की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में मादक पदार्थ उपयोगकर्ताओं से मिलकर उनकी समस्याओं को समझा एवं उन्हे आउटरीच एण्ड ड्राप इन सेन्टर (ODIC) की पूर्ण जानकारी देते हुये उन्हे ODIC में आने के लिये प्रेरित किया गया है। साथ ही बेस लाइन असेसमेंट फार्म में हितग्राहियों की जानकारी भरकर उनकी लाइन लिसिटिंग की गयी। वर्ष 2024–25 में परियोजना टीम द्वारा निर्धारित लक्ष्य से ज्यादा कुल **4210 हितग्राहियों** से संपर्क कर उनकी लाइन लिसिटिंग की गई।

ODIC में परियोजना के चिकित्सक द्वारा **653 हितग्राहियों** की स्कीनिंग व असेसमेंट किया गया। वर्ष 2024–25 में ODIC में कुल **1242 हितग्राहियों** की व्यक्तिगत व हितग्राहियों की सामूहिक व 578 फैमिली काउंसलिग की गई। हितग्राहियों की स्वास्थ्य व चिकित्सा की बुनियादी जानकारी, उसके द्वारा उपयोग किये जानें वाले मादक द्रव्य की जानकारी, उपयोग की विधि, पूर्व में किया जाने वाला परहेज, पूर्व में प्राप्त सहायता, उसका व्यवहार व अन्य जानकारी प्राप्त की गई। साथ ही उनके द्वारा हितग्राहियों को परामर्श के माध्यम से नशीली दवाओं के दूष्परिणाम से परिचित कराते हुये नशीली दवाओं एवं मादक पदार्थो के नियमित उपयोग न करने के लिये सलाह दी गयी।

3. सीनियर सिटीजन के लिये वित्तीय साक्षरता, स्वास्थ्य परीक्षण व उपभोक्ता जागरुकता कार्यकम (Special Financial Literacy, Health Check up and Consumer Awareness Programme for Senior Citizens)

समर्पित संस्था द्वारा वर्ष 2024–25 में गर्ल राइजिंग परियोजना टीम द्वारा ओल्ड एज होम जाकर उनके बीच समरसता कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसके अंतर्गत टीम के सदस्यों नें वरिष्ठजनों के साथ खूब मस्ती की व उनके बीच फल व मिठाईयॉ वितरित की। संस्था द्वारा गत वर्ष की भॉति इस वर्ष भी भारतीय रिजर्व बैंक के माध्यम से सीनियर सिटीजन के लिये विशेष वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्था द्वारा सीनियर सिटीजन होम्स / ओल्ड एज होम्स व सीनियर सिटीजन

ग्रुप्स के बीच जाकर उन्हें वित्तीय प्रबंधन, बचत, बैंक खातों का सही संचालन, डिजीटल बैंकिग सहित वित्तीय संबंधित अन्य जानकारी दी गई। उन्हें ऑन लाइन ठगी, अवैध चिट फंड कंपनियों संबंधित जानकारी दी व इनसे सावधान रहनें की सलाह दी।

वर्ष 2024–25 में संस्था द्वारा भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (TRAI) के माध्यम से सीनियर सिटीजन के लिये लगातार उपभोक्ता जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत उन्हें मोबाईल के माध्यम से मिलनें वाले प्रलोभन संबंधित मैसेजों की जानकारी दी व ऐसे मैसेजों से उन्हें सतर्क रहनें की सलाह दी। साथ ही उन्हें मोबाईल में आनें वाले फ्रॉड ओ.टी.पी. व लिंक की जानकारी की गई।

संस्था द्वारा वर्ष 2024–25 में सीनियर सिटीजन के लिये अनेकों स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों का आयोजन किया गया, साथ ही आवश्यकतानुसार उनके लिये दवाईयॉ व अन्य पोषक सामग्रियॉ उपलब्ध करायी गई।

4.भिक्षावृत्ति में संलग्न व्यक्तियों व बाल श्रमिकों का सर्वेक्षण (Survey of Begging & Child Labour) :-

समर्पित द्वारा वित्तीय वर्ष 2024–25 में बिलासपुर जिले में भिक्षावृत्ति में संलग्न व्यक्तियों व बच्चों का सर्वे किया गया। इस वर्ष कुल 37 व्यक्तियों व 23 बच्चों को भिक्षावृत्ति में संलग्न पाया गया। इन बच्चों को चाइल्डलान के माध्यम से काउंसलिंग कराकर उन्हें शिक्षा से जोडनें का प्रयास किया गया। 56 व्यस्क

व्यक्तियों की लाइन लिस्टिंग करके उन्हें शासन की सामाजिक सुरक्षा की विभिन्न योजनाओं से जोडा गया। साथ ही भिक्षावृत्ति में संलग्न 13 महिलाओं को घरेलु श्रमिक का कार्य दिलवाकर उन्हें रोजगार से जोडा गया।

समर्पित द्वारा बिलासपुर जिले में बाल श्रमिकों का सर्वेक्षण कार्य किया गया। इसके अंर्तगत कुल 47 बाल श्रमिक बच्चों का सर्वे करके बच्चों की प्रोफाइल तैयार की गई। इस सर्वे कार्य के दौरान पन्नी बिनने वाले, कबाडी कार्य, होटल व दुकानों में कार्य, घरेलु कार्य, घुमन्तु बच्चे, आदि श्रेणी के बच्चे मिले जिन्हें सूचीबद्ध करके प्रोफाइल तैयार की गई।

5.किसान उत्पादक संगठनों का गठन व संवर्धन (Formation and Promotion of Farmer Production Organization -FPOs) :-

वर्ष 2024–25 में भारत सरकार के कृषि व किसान कल्याण मंत्रालय की 10000 किसान उत्पादक संगठनों (FPO)का गठन और संवर्धन परियोजना के अंतर्गत नोडल एजेंसी TRIFED (आदिवासी कार्यमंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्त संस्था) के सहयोग से समर्पित संस्था द्वारा छत्तीसगढ राज्य में शहद आधारित किसान उत्पादक संगठनों (FPO)का गठन और संवर्धन परियोजना के क्रियान्वयन सफलतापूर्वक किया गया ।

संस्था द्वारा छत्तीसगढ राज्य के बिलासपुर, सरगुजा व बीजापुर में फील्ड पर शहद उत्पादन व इसमें रुचि रखनें वाले किसानों का चिन्हाकन, उनके साथ जागरुकता बैठकें, प्रशिक्षण के द्वारा उनकी क्षमता व दक्षता विकास कार्य के साथ, बिलासपुर जिले में 320 किसानों के 16 किसान हित समूहों (FIGs)

,सरगुजा जिले में 300 किसानों के 15 किसान हित समूहों व बीजापुर जिले में 300 किसानों के 15 किसान हित समूहों के गठन का कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण कर दिया गया है।

संस्था द्वारा तीनों FPO के बिजनेस प्लान के अनुरुप किसानों को व्यवसाय आधारित गतिविधियों से जोडा गया। तीनों FPO के किसानों नें भारत सरकार से इक्विटी ग्रान्ट प्राप्त करके शहद की खरीदी बिक्री सहित पशुपालन, कृषि, सब्जी उत्पादन, मत्स्य उत्पादन आदि व्यवसायिक कार्य प्रारंभ कर दिया जिससे उनकी आय में वृद्धि हो रही है ओर उनकी आजीविका का विकास हो रहा है।

6.एक्सेस टू जस्टिस फॉर चिल्ड्रन प्रोजेक्ट (Access to Justice for Children Project) -

The Kailash Satyarthi Children's Foundation, US द्वारा समर्पित संस्था का चयन **Access to Justice for Children Project** के जशपुर जिले में क्रियान्वयन करनें किया गया। परियोजना का मुख्य उद्‌देश्य श्रम या यौन शोषण के लिये तस्करी किये गये बच्चों और बाल यौन शोषण के पीडितों को न्याय सुनिश्चित करनें के साथ साथ बाल विवाह मुक्त भारत अभियान में सहभागिता निभाना है।

संस्था की एक्सेस टू जस्टिस टीम द्वारा वर्ष 2024–25 में बाल विवाह की रोकथाम के लिये जशपुर जिले की 50 पंचायतों का चयन किया, जहॉ पर विशेष अभियान चलाकर लोगों को बाल विवाह मुक्त भारत अभियान में जोडनें का कार्य किया। संस्था द्वारा जशपुर जिले में लोगों को जागरुक व समझाइश के आधार पर 335 बाल विवाह को रोकनें में सफलता अर्जित की गई। वहीं 7771 लोगों को बाल विवाह निषेध की सामूहिक, पारिवारिक व व्यक्तिगत रुप से शपथ दिलाई गई।

संस्था की एक्सेस टू जस्टिस टीम द्वारा वर्ष 2024–25 में बाल तस्करी / बाल श्रमिक के 47 प्रकरणों में 52 बच्चों को रेस्क्यू करनें में सफलता पायी। जिसमें 24 Girl व 28 Boys को रेस्क्यू किया गया। इन प्रकरणों में दो प्रकरण में FIR दर्ज करायी गई वहीं 16 प्रकरणें में जी.डी./डायरी एंट्री करायी गई।

7. एच. आई. व्ही./एड्स–लक्षित हस्तक्षेप परियोजना (HIV/AIDS – Targated Intervention Project) -

समर्पित द्वारा National AIDS Control Organisation (NACO) व छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति के सहयोग से बिलासपुर में लक्षित हस्तक्षेप परियोजना का संचालन वर्ष 2024 –25 में सफलतापूर्वक किया गया। इस परियोजना के अंतर्गत **1421 Female Sex Workers** पर कार्य किया गया। वर्ष 2024–25 में 270 नये **Female Sex Workers** का पंजीयन किया गया।

समर्पित द्वारा वर्ष 2024 –25 में चिन्हांकित **1421** FSWs का ICTC, RMC, Shyphilish Test, Counselling व Condom Promotion की सर्विस दी गई, वही DIC Meeting समूह चर्चा, Demand Generation, Advocasy, Crises Management आदि गतिविधियों के माध्यम से उनके व्यवहार परिवर्तन का प्रयास किया गया। समर्पित संस्था द्वारा परियोजना के माध्यम से कुल 57 एच.आई.व्ही. पॉजिटिव महिलाओं को चिन्हित करके उनका नियमित ईलाज करवाया जा रहा है।

समर्पित द्वारा इस परियोजना में समुदाय की सहभागिता बढ़ाने के लिये सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम आयोजित किये गये, जिसके मार्फत से Female Sex Workers को अपनी–अपनी समस्याओं को आपस में साझा करने का अवसर प्राप्त हुआ। समर्पित द्वारा इस वर्ष समुदाय के महिला स्व–सहायता समूहों का गठन कराया गया साथ ही उन्हें विभिन्न शासकीय योजनाओं के अंतर्गत प्रशिक्षित भी किया गय, साथ ही जरुरतमंद Female Sex Workers को वित्तीय साक्षरता विषयक प्रशिक्षण भी दिलवाया गया। समुदाय में HIV/AIDS संबंधित जन–जागरुकता फैलानें के लिये विभिन्न हॉट स्पाट में नुक्कड नाटक के माध्यमों से लोगों को HIV/AIDS संक्रमण का कारण व उससे बचाव की जानकारी दी गई।

8. समर्पित – गर्ल राइजिंग प्रोजेक्ट (SAMARPIT – GIRL RISING PROJECT) –

वर्ष 2024–25 में **GIRL RISING, US** द्वारा समर्पित संस्था का चयन **Strengthening Adolescents' Socio-Emotional Learning Skills, Inculcating Gender-Equitable Attitudes, and Building 21st Century Skills** प्रोजेक्ट के बिलासपुर जिले में क्रियान्वयन के लिये किया गया। संस्था द्वारा परियोजना के लक्ष्य के अनुसार प्रारंभिक तैयारी के रुप में प्रस्तावित परियोजना क्षेत्र में **Need Assesment Survey** के माध्यम से विद्यालयों का चयन का चयन, शिक्षकों व अभिभावकों में जागरुकता का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

इस परियोजना का उद्देश्य किशोर छात्र – छात्राओं के समग्र विकास को सक्षम बनाना है, जिसमें सामाजिक –भावानात्मक शिक्षा, लिंग समानता दृष्टिकोण, डिजीटल व वित्तीय साक्षरता, जलवायु परिवर्तन जागरुकता और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरुप 21 वीं सदी के आवश्यक जीवन कौशल का निर्माण करना शामिल है। हम इस परियोजना के माध्यम से ग्रामीण व आदिवासी समुदायों पर ध्यान केंद्रित करते हुये बिलासपुर जिले के चिन्हित 7 विद्यालयों के 2000 छात्र–छात्राओं (14 से 17 वर्ष की आयु के बीच), 700 अभिभावकों / समुदाय के सदस्यों व 50 शिक्षकों तक पहुंचा जायेगा। इस परियोजना के प्रारंभ में संबंधित विद्यालयों के शिक्षकों को कार्यशाला के माध्यम से उपरोक्त स्कील में विशेष रुप से प्रशिक्षित किया जायेगा ताकि वे बच्चों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सके। साथ ही अभिभावकों / समुदाय के सदस्यों के साथ मासिक जुडाव सत्र आयोजित किया जायेगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके की वे किशोरों का बेहतर ढंग से समर्थन व प्रोत्साहन कर सके।

9. जमाकर्ता शिक्षा व जागरुकता कार्यक्रम – भारतीय रिजर्व बैंक के अंतर्गत (Depositor Education and Awareness Programme under RBI) :-

समर्पित संस्था द्वारा वित्तीय वर्ष 2024–25 में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रायोजित **Depositor Education and Awareness Programme** के अंतर्गत समर्पित संस्था द्वारा छत्तीसगढ राज्य के विभिन्न जिलों में में वित्तीय साक्षरता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इन कार्यशालाओं का मुख्य उद्देश्य बैंकिंग उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरुक करना व उनके हित के लिये भारतीय रिजर्व बैंक की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देना है। समर्पित संस्था के द्वारा इन कार्यशालाओं के लिये प्रमुखता के आधार पर अधिकतर ग्रामीण व अर्द्ध शहरी क्षेत्रों का चयन किया जहॉ पर जानकारी के अभाव में बैकिंग उपभोक्ता अपनें अधिकारों से वंचित हैं। इन कार्यशालाओं का हितग्राहियों में सकारात्मक प्रभाव देखनें को मिला।

कार्यशाला के माध्यम से बैंक उपभोक्ताओं को बैंक खाता खुलवाने, उसका संचालन, बचत योजना, वित का प्रबंधन, के.वाय.सी. प्रकिया, बैंक ऋण, ऋण संबंधित उपभोक्ताओं के अधिकार, जमाकर्ताओं के अधिकार, बैंकिंग लोकपाल, चिटफंड कंपनियों, नान बैंकिंग फाइनेंस कंपनी आदि की जानकारी दी जा रही है।

10.''नई रोशनी'' अल्पसंख्यक महिलाओं में नेतृत्व क्षमता का विकास योजना
(NAI ROSHNI – Scheme For Leadership Development of Minority Women)

वर्ष 2024–25 में समर्पित द्वारा भारत सरकार के अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की योजना '' नई रोशनी'' अल्पसंख्यक महिलाओं में नेतृत्व क्षमता का विकास योजना के हितग्राहियों के बीच Hand Holding मीटिंग आयोजित की गई। हितग्राहियों का फालोअप किया गया व उन्हें शासन की नई योजनाओं की जानकारी दी गई।

समर्पित संस्था द्वारा भारत सरकार के अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की नई रोशनी योजना के अंर्तगत विश्व महिला दिवस के उपलक्ष्य पर अल्पसंख्यक महिलाओं सहित अन्य महिलाओं के बीच अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मुख्य कार्यक्रम सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम बिलासपुर के लिंगियाडीह में आयोजित किया गया जिसकी थीम **महिला उत्थान व उनमें बदलाव** थी। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्लम क्षेत्र की अल्पसंख्यक वर्ग की महिलाओं सहित अन्य का सामाजिक व स्वास्थ्यगत सशक्तिकरण करना था।

इस कार्यक्रम में महिलाओं को वन–टू–वन, लेक्चर, प्रस्तुतीकरण, खेल–खेल में आदि माध्यमों से शिक्षा, रोजगार व आजीविका संबंधी अधिकारों की जानकारी, केन्द्र व राज्य सरकार की महिलाओं के हितार्थ शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण, टीकाकरण, परिवार नियोजन, रोग नियंत्रण आदि कार्यक्रमों की जानकारी, पंचायतों व नगर निगम/पालिकाओं में महिलाओं की भूमिका, महिलाओं के कानूनी अधिकार, सूचना का अधिकार, बी.पी.एल. सर्वे, स्मार्ट कार्ड,स्वच्छ भारत, डिजिटल इंडिया, बैंक संबंधी कार्य, विभिन्न शासकीय कार्यालयों की कार्य प्रणाली व संरचना आदि की जानकारी दी गयी। साथ ही महिलाओं को उनसे संबंधित स्वास्थ्यगत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में महिलाओं के लिये कई तरह की प्रतियोगिता जैसे रंगोली, मेहन्दी, डांस, वाद–विवाद आदि का आयोजन किया गया और प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किया गया।

11. लिंक वर्कर स्कीम (LINK WORKER SCHEME) -

समर्पित द्वारा वर्ष 2024–25 में बिलासपुर जिले में लिंक वर्कर योजना का क्रियान्वयन सफलतापूर्वक किया गया। National AIDS Control Organisation (NACO) व छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति के सहयोग से संचालित इस परियोजना में कोटा, बिल्हा, तखतपुर व मस्तूरी के चिन्हित 100 गॉवों में कार्य किया गया।

इस परियोजना के माध्यम से समर्पित द्वारा HIV/AIDS की दृष्टि से संवेदनशील 100 ग्रामों को सूचीबद्ध कर वहां कि लक्षित समुदाय को ICTC, STI, ART आदि सेवाओं से जोड़ना व उनका फालोअप प्रारंभ कर दिया है साथ ही लक्षित ग्रामों मे इस महत्वपूर्ण योजना से जनमानस को अवगत कराते हुये ग्राम में एच.आई.व्ही./एड्स यौन संक्रमण आदि विषयक चर्चा के लिये अनुकूल वातावरण निर्माण का प्रयास किया गया।

वर्ष 2024–25 में उच्च जोखिम समूह के नये 24243 (FSW-415, MSM-104, TG-30, Migrant -9426, Trucker - 1670 TB-50, ANC-3965 & Other Vurnable Population -8278) लोग पंजीकृत किये गये। इस परियोजना के माध्यम से कुल 305 व्यक्ति HIV Positve पाये गये हैं, जिनहें ART Centre से लिंकेज कराकर उनका लगातार फालाअप किया जा रहा है। संस्था द्वारा निरंतर Health Camps व Community Based Screening के माध्यम से लगातार समुदायों के बीच HIV जॉच का कार्य करवाया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में HIV/AIDS संबंधित जन–जागरुकता फैलानें के लिये विभिन्न हॉट स्पाट में नुक्कड नाटक के माध्यमों से लोगों को HIV/AIDS संक्रमण का कारण व उससे बचाव की जानकारी दी गई।

12. खुला आश्रय गृह (बालक) (Open Shelter Home - Boys) -

समर्पित द्वारा भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की **मिशन वात्सल्य** योजना के अंतर्गत संचालित खुला आश्रय गृह (बालक) का बिलासपुर में संचालन वर्ष 2024–25 में सफलतापूर्वक किया गया। इस वर्ष आश्रय गृह के बच्चों के संतुलित पोषण व भ्रमण मनोरंजन पर विशेष ध्यान दिया गया। बच्चों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। संरक्षित बच्चों की नियमित काउंसलिंग कराकर उनकी मानसिक स्थिति को समझा गया और उन्हें मानसिक रुप से सुदृढ बनाकर समाज की मुख्य धारा से जोडने का प्रयास किया गया। इस वर्ष खुला आश्रय गृह में कुल **80** बच्चों ने आश्रय प्राप्त किया, जिनमें से 91 बच्चों का पुर्नवास कर दिया गया।

13. बाल गृह (बालिका) – (CHILDREN HOME - GIRLS) -

समर्पित द्वारा आदिवासी बाहुल्य जशपुर जिले में बाल गृह (बालिका) का संचालन भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की **मिशन वात्सल्य** योजना के अंतर्गत किया जा रहा है। वर्ष 2024–25 में बालिकाओं के सर्वांगीण विकास का विशेष प्रयास किया गया।

इस वर्ष बाल गृह में कुल 26 बालिकाओं ने आश्रय प्राप्त किया, जिनमें से 08 बालिकाओं का पुर्नवास करा दिया गया, शेष बालिकायें बाल गृह में ही रह रही है।

बाल गृह में निवासरत् बालिकाओं का व्यक्तिगत देखरेख योजना बनाकर उनकी शिक्षा, संतुलित आहार, व्यवसायिक प्रशिक्षण, स्वास्थ्य, भ्रमण–मनोरंजन, खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रमों आदि माध्यमों से व्यक्तिगत विकास का सफल प्रयास संस्था द्वारा किया गया।

14. बाल गृह (बालक) – (CHILDREN HOME - BOYS) -

समर्पित द्वारा भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की **मिशन वात्सल्य** योजना के अंतर्गत जशपुर में इस वर्ष बाल गृह – बालक का संचालन सफलतापूर्वक किया गया। वर्ष 2024–25 में संरक्षित बालकों के सर्वांगीण विकास का विशेष प्रयास किया गया।

इस वर्ष बाल गृह में कुल 87 बालकों ने संरक्षण प्राप्त किया, जिनमें से 55 बालकों का पुर्नवास करा दिया गया, शेष बालक बाल गृह में ही रह रहें है। बालक गृह में पूरे वर्षभर विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों गायन, लेखन, चित्रकला आदि सहित खेलकूद का आयोजन किया गया। राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भी बालक गृह के बच्चों ने भाग लिया। बच्चों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाता रहा। भ्रमण व मनोरंजन कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों को पिकनिक व अन्य ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कराया गया।

15. HIV/AIDS – TRANSIT MIGRANT INTERVENTION PROJECT -

समर्पित द्वारा National AIDS Control Organisation (NACO) और छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति के सहयोग से बिलासपुर जिले में TRANSTI MIGRANT INTERVENTTON PROJECT का क्रियान्वयन वर्ष 2024–25 में सफलतापूर्वक किया गया।

इस वर्ष बिलासपुर जिले से अन्य प्रांतो में पलायन करने वाले 17522 श्रमिक महिला पुरूषों को HIV/AIDS विषयक जानकारी देकर उन्हें एड्स से सुरक्षित करने का प्रयास किया गया। समर्पित के आउटरीच वर्कस द्वारा पलायन वादी श्रमिकों के मुख्य स्त्रोत क्षेत्र रेलवे स्टेशन व बस स्टैण्ड में प्रतिदिन जाकर व्यक्तिगत व समूह चर्चा एवं सूचना, शिक्षा व संचार सामग्री के माध्यम से श्रमिकों को HIV/AIDS विषयक जानकारी प्रदान की जाती है। इस परियोजना के प्रयासो से श्रमिक वर्ग में HIV/AIDS के विषय में काफी जागरूकता आई है। पलायन वादी जनसंख्या HIV/AIDS संबंधित जन–जागरुकता फैलानें के लिये रेल्वे स्टेशन, बस स्टैंड व अन्य स्रोत जगहों में नुक्कड नाटक के माध्यमों से लोगों को HIV/AIDS संक्रमण का कारण व उससे बचाव की जानकारी दी गई।

16. सामाजिक गतिशीलता एवं संस्थागत विकास कार्यक्रम (Social Mobilization and Institution Development Programme) -

समर्पित द्वारा भारत सरकार के आवास एवं गरीबी उन्मूलन मंत्रालय की **दीनदयाल अंत्योदय योजना – राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन** के अंतर्गत स्रोत संस्था के रुप में बिलासपुर में सामाजिक गतिशीलता एवं संस्थागत विकास के अंर्तगत 144 महिला स्व सहायता समूहों का गठन किया गया था। वित्तीय वर्ष 2024–25 में संस्था द्वारा इन समूहों का फालोअप किया गया एवं इनका बैंक लिंकेज करवाया गया। साथ ही इन्हें सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोडनें का प्रयास किया गया। इस वर्ष इन महिला स्व सहायता समूहों के लिये वित्तीय साक्षरता संबंधित विशेष कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

17. महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम (WOMEN EMPOWERMENT PROGRAMME) -

समर्पित द्वारा स्वंय के संसाधनों से महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का क्रियान्वयन विगत दस वर्षो से किया जा रहा है, इसी के अंतर्गत वर्ष 2024–25 में संस्था द्वारा बिलासपुर शहर के विभिन्न झुग्गी–झोपड़ी बाहुल्य क्षेत्रो में निशुल्क क्षमता व दक्षता उन्नयन कार्यक्रम के साथ उनके लिये विशेष वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम चलाया गया जिससे 500 से ज्यादा महिलाओं लाभान्वित हुई। साथ ही इन महिलाओं को शासन की विभिन्न योजनाओं से जोडनें का प्रयास किया गय।

इन महिलाओं के लिये आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से संस्था का प्रयास रहा कि गरीबी रेखा के आसपास जीवन यापन करने वाली महिलाओं को स्व–रोजगार के माध्यम से आत्म निर्भर बनाया जा सके। संस्था के प्रयासों से अनेको महिलायें आज स्व–रोजगार अपनाकर सशक्त होकर समाज के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही है।

18. महिला स्व–सहायता समूहों का गठन – (Formation of Women Self-Help Groups)

समर्पित द्वारा स्व–पोषित योजना के अंतर्गत 500 महिला स्व–सहायता समूहों का गठन किया गया है। वर्ष 2024–25 में इस समूहों के कौशल उन्नयन के लिये विभिन्न शासकीय योजनाओं के अंतर्गत इन्हे प्रशिक्षित करने का प्रयास संस्था द्वारा किया गया। संस्था द्वारा वित्तीय वर्ष 2024 – 25 में महिलाओं के वित्तीय साक्षरता पर विशेष ध्यान दिया गया।

इन समूहों के लिये समय–समय में क्षमता विकास कार्यक्रम भी आयोजित किये गये तथा इन्हे स्व–रोजगार से जोड़ने का भी प्रयास किया गया। संस्था के प्रयासो से आज कई समूह गणवेश सिलाई, रेडी टू ईट, राशन दुकान का संचालन आदि कार्यो में संलग्न है।

19. TRAI के माध्यम से Consumer Education & Awareness कार्यक्रम –

समर्पित द्वारा वर्ष 2024–25 में TRAI के सहयोग से छत्तीसगढ राज्य के विभिन्न जिलों में **उपभोक्ता जागरुकता कार्यक्रम** का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन ग्राम पंचायत स्तर पर किया गया। साथ ही समर्पित संस्था द्वारा TELECOM REGULATORY AUTHPRITY OF INDIA(TRAI) के Consumer Advocasy Group के सदस्य के रूप में लगातार बैठकों के माध्यम से टेलीकॉम उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। इसके अलावा TRAI द्वारा आयोजित Regional Workshop में शामिल होकर छत्तीसगढ़ प्रदेश के टेलीकॉम उपभोक्ताओं की समस्याओं को मजबूती से रखा गया। इसके साथ ही TRAI द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों में आयोजित Consumer Advocasy Programme में शामिल होकर उपभोक्ताओं को जागरूक किया गया।

संस्था के कार्यकर्ता टेलीकाम उपभोक्ताओं की समस्याओं को लेकर उनके समाधान के लिये प्रयासरत् रहते हैं। साथ ही संस्था द्वारा संचालित विभिन्न परियोनाओं के प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं व सेमीनार में टेलीकॉम उपभेक्ताओं के हितार्थ जानकारी का संचारण भी विषय विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है।

20. प्रौंढ़ शिक्षा कार्यक्रम (ADULT EDUCATTION PROGRAMME) -

समर्पित द्वारा वर्ष 2024–25 में भी प्रतिवर्ष की तरह स्लम क्षेत्र की 25 महिलाओं के लिये निःशुल्क प्रौंढ शिक्षा कार्यक्रम चलाया गया। इसमें महिलाओं को अक्षर ज्ञान करवाकर उन्हें साक्षर बनाने में सफलता अर्जित की गई।

21. प्रेरणा योजना (PRERNA SCHEME) -

समर्पित द्वारा राष्ट्रीय जनसंख्या स्थिरता कोष के अंतर्गत संचालित ''प्रेरणा योजना'' के अंतर्गत वर्ष 2024–25 में झुग्गी–झोपड़ी बाहुल्य क्षेत्रों में लगातार जन–जागरण बैठक आयोजित कर लोगों को आदर्श परिवार नियोजन अपनाने को प्रेरित किया तथा इससे संबंधित शासकीय योजनाओं की जानकारी लोगों को दी गई।

22. स्वच्छ भारत अभियान –

समर्पित द्वारा भारत सरकार की मंशा के अनुरूप ''स्वच्छ भारत अभियान'' में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए विभिन्न झुग्गी झोपड़ी क्षेत्रों में सफाई अभियान चलाया गया तथा लोगो को इस महा अभियान में शामिल होने के लिए प्रेरित किया गया।

संस्था द्वारा बिलासपुर के स्लम क्षेत्रों के बच्चों व विद्यालय के बच्चों के बीच जाकर उन्हें स्वच्छ व स्वस्थ्य रहनें के लिये प्रेरित किया गया, साथ ही उनसें व उनके अभिभावकों से उनके आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखनें के लिये निवेदन किया गया। संस्था द्वारा लगातार स्वच्छता रैली का आयोजन किया गया और लोगों को स्वच्छ भारत अभियान में अपनी सक्रिय सहभागिता तय करनें का अनुरोध किया गया।

संस्था के कार्यकर्ता सार्वजनिक स्थलों की सामूहिक रुप से सफाई करके लोगों को स्वच्छता अपनानें के लिये प्रोत्साहित किया।

23. विश्व एड्स दिवस (WORLD AIDS DAY) -

समर्पित द्वारा 01 दिसम्बर, 2024 को विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य पर जन–जागरण रैली निकाली गई। इस उपलक्ष्य पर कलेक्टर श्री अवनीश शरण, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती अर्चना झा सहित अनेको अधिकारियो, जन–प्रतिनिधियो, मीडिया कर्मी, समाज सेवी आदि को रेड रिबन लगाकर उनसे एड्स उन्मूलन में सहयोग करने की अपील की गई।

24. विश्व क्षय दिवस (World TB Day) -

समर्पित द्वारा 24 मार्च, 2025 को विश्व क्षय दिवस के उपलक्ष्य पर जन–जागरण रैली निकाली गई। इस रैली के माध्यम से लोगो को टी.बी. रोग के प्रति सचेत किया गया और उनसे टी.बी. मुक्त देश के निर्माण में सहयोग देने की अपील की गई।

25. WORLD STREET CHIDREN DAY –

समर्पित द्वारा 12 अप्रैल, 2024 को World Street Children Day के उपलक्ष्य पर ''मस्ती की पाठशाला'' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में Street Children को बुलाकर उनके साथ खुब मौज–मस्ती की गई। कार्यक्रम के अंत में बच्चो को मिष्ठान वितरित कर उन्हें शिक्षा से जुड़ने और समाज की मुख्य धारा में शामिल होने के लिये प्रेरित किया गया।

27. समर्पित की राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय महत्व के निम्न कार्यक्रमों में अपनी सक्रिय सहभागिता निभाई गई –

- स्वतंत्रता दिवस : 15 अगस्त, 2024
- गणतंत्र दिवस : 26 जनवरी, 2025
- गांधी जयंती : 02 अक्टूबर, 2024
- अम्बेडकर जयंती : 14 अप्रैल, 2024
- श्रम दिवस : 01 मई, 2024
- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस : 08 मार्च, 2024
- बालश्रम उन्मूलन दिवस : 12 जून, 2024
- बाल दिवस : 14 नवंबर, 2024
- नशा निषेध दिवस : 26 जून, 2024

- पल्स पोलियो जन–जागरण अभियान
- नशा विरोधी अभियान
- विश्व विकलांगता दिवस, ... आदि
- शत प्रतिशत मतदान अभियान
- स्वच्छ भारत अभियान

.... आदि

28. समर्पित द्वारा आयोजित अन्य कार्यक्रम –

(प्रशिक्षण, कार्यशाला, सेमीनार, परिचर्चा, रैली आदि)

वर्ष 2024–25 में समर्पित द्वारा निम्न कार्यक्रम आयोजित किये गये –

- मातृ–पितृ पूजन कार्यक्रम : 14 फरवरी, 2024
- सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यक्रम (निशुल्क)
- हाउस कीपिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम (निशुल्क)
- खाद्य सुरक्षा परिचर्चा : 25 सितंबर,2024
- महिला अधिकार संगोष्ठी : 08 मार्च, 2025
- स्वच्छता जनजागरण अभियान

... आदि

== 00 ==